डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 268 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 14 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

आदेश की औपचारिकता, सख्ती का अभाव..!

प्रतिबंध के बाद भी मछली माफिया सक्रिय, 09 करोड़ रुपए महीने का मछली का अवैध कारोबार

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हर बार की तरह इस बार भी मत्स्याखेट पर प्रशासन ने 15 जून से 15 अगस्त तक प्रतिबंध लगाया है। यह माना जाता है कि इस दौरान मछलियों का प्रजनन काल होता है। हालांकि इसके बाद भी मछली माफियाओं की सक्रियता पर कोई असर नहीं पड़ा है। गांधी सागर और चंबल सहित अन्य कुछ जगहों पर अभी भी अवैध रूप से मछली का कारोबार चल रहा है। मंदसौर के श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पहुंच मार्ग पर स्थित मछली बाजार में भी प्रतिदिन क्विंटलो मछली आ रही है। पुलिस हो या प्रशासन अभी तक इस पर लगाम नहीं लगा पाए है। बता दे कि रोज करीब 20 टन अवैध मछली बाजार में पहुंच रही है। जबकि, अधिकारी पूरे साल में औसत 10 टन ही अवैध मछली पकड़ते हैं। कुल मिलाकर 09 करोड़ रुपए प्रतिमाह का अवैध मछली का कारोबार है। जबकि, डोडाचूरा की तरह मछली के कारोबार में भी बड़ी गैंगवार सामने आ चुकी है।

बेरोकटोक सप्लाई हो रही है मछली, कहीं नहीं होती कार्रवाई...

कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार जिले में करीब 09 करोड़ रूपए से ज्यादा का अवैध मछली का व्यापार होता है। गांधीसागर, पायाखेड़ी, धाराखेड़ी, एल्वी महादेव, संजीत, कोलवी, करिया व गांगसी से करीब 30-32 लाख रुपए कीमत की 20 टन मछली रोज मंदसौर सहित जिलेभर के बाजार और वहां से मुंबाई, दिल्ली, कलकत्ता आदि स्थानो पर पहुंचती है। सबसे ज्यादा मछली मंदसौर मंडी में ही बिकती है। इन सभी स्थानों से मंदसौर तक मछली पहुंचने के बाद भी रास्ते में कहीं भी कोई कार्रवाई नहीं होती। बताया जाता है विभिन्न स्थानों से मछली मंदसौर तक पहुंचने के बीच नाहरगढ़, सीतामऊ सहित अन्य थाना क्षेत्र पड़ते हैं। लेकिन, पुलिस की सांठगांठ के चलते रोज अवैध मछली बाजार तक पहुंच जाती है।

[20 टन अवैध मछली रोजाना पहुंचती है बाजार में]

इन मछलियों का होता है निर्यात...

गांधीसागर में कतला, मृगल (नरेल), पडन, पाबदा, समल, बाम, रोहू, सिंगार सहित अनेक प्रकार की मछलियों का निर्यात होता है। मछली उत्पादन व मांग अधिक होने का मुख्य कारण पठारी क्षेत्र की नदी में उत्पादन होना है। यहां बहने वाली चंबल नदी पठारी है और बारहमासी है। यही कारण है कि यहां की मछली सर्वश्रेष्ठ मछलियो में शुमार की जाती है।

ऐसे करते हैं बचाव...

मत्स्य महासंघ के अलावा मत्स्य विभाग भी छोटे तालाबों से मछली पकड़ने के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत के माध्यम से समितियों को पट्टे जारी करता है। इनकी आड़ में भी कथित लोग मछली का अवैध व्यापार करते हैं।

गांधीसागर एक बड़ा मत्स्य पालन सेंटर...

गांधीसागर बांध की मछली की डिमांड पूरे देशभर में है। जिले में गांधीसागर क्षेत्र मत्स्य पालन का बड़ा सेंटर है। यहां से प्रतिवर्ष 3000 मीट्रिक टन मछली दिल्ली, कोलकाता, मुंबई भेजी जाती है। मछली की वैरायटी को लेकर भी गांधीसागर खासी पहचान बना चुका है। इसी साल से गांधीसागर में केज सिस्टम लगाकर 10 प्रकार की नई मछलियों का उत्पादन किया जा रहा है। हालांकि फिलहाल उत्पादन प्रारंभिक स्तर पर है। इससे यह बात साफ हो गई है कि यहां के पानी में विभिन्न प्रकार की मछलियों का उत्पादन हो सकता है। जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग है।

पीएम एक्सीलेंस कॉलेज: तीन हजार सीटों पर एडमीशन का इंतजार..!

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। इस बार भी विद्यार्थियों को शासकीय कॉलेज में प्रवेश के लिए अभियान चलाया गया। इसके लिए स्कूलों में भी कॉलेज स्टॉफ पहुंचा। हालांकि अभियान अभी तक बेअसर नजर आ रहा है। इसका कारण है कि शासकीय महाविद्यालय में दो राउंड पूरे होने के बाद भी तीन हजार सीटें खाली पड़ी है। दो हजार सीटों पर अभी तक प्रवेश हुआ है। तमाम अभियान व योजनाओं के अलावा प्रवेश प्रक्रिया को लेकर जनजागरूकता के बाद भी प्रवेश के लिए महाविद्यालय में विद्यार्थियों की रुचि कम होती जा रही है। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज के बाद पाठ्यक्रम से लेकर सभी सुविधाओं के हाईटेक करने के दावे के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर कॉलेज चलो अभियान चलाया गया। इसमें सभी प्राध्यापको की टीम ने स्कूलों में पहुंचकर महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों से लेकर सरकार की योजनाओं के अलावा प्रवेश प्रक्रिया बताकर प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया था। लेकिन, प्रवेश का दौर शुरू हुआ तो इसका असर कहीं पर भी नहीं दिख रहा है। कॉलेजों में प्रवेश के दो राउंड पूरे होने के बाद भी सीटें खाली पड़ी है और अब तारीख भी बढ़ी है।

महाविद्यालय में आंवटित सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया के बाद भी सीटें नहीं भरने को लेकर अलग-अलग कारण बताए जा रहे है। इसमें पहला कारण यह है कि पहले दो राउंड तक विद्यार्थी अन्य जगहों पर प्रवेश की राह का देखना। अन्य जगहों पर प्रवेश नहीं मिलने के कारण फिर डिग्री कॉलेज में प्रवेश। इसके अलावा 'दलौदा महाविद्यालय' खुलने के साथ शहर के महाविद्यालय में प्रवेश संख्या में अचानक से गिरावट आई है। पूरे जिले में 10 से 15 किमी की दूरी पर शासकीय महाविद्यालय है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर प्रवेश विद्यार्थियों की पहली पंसद है। इसी कारण जिला मुख्यालय पर स्थित महाविद्यालय में प्रवेश संख्या घटने का बड़ा कारण माना जा रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा: मंदसौर आरटीओ परिसर में नवनिर्मित शिव मंदिर में रविवार को विधि विधान के साथ हुई स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अफजलपुर थाना पुलिस ने जप्त की 120 ग्राम एमडी, दो गिरफ्तार, तीन की तलाश..!

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अफजलपुर थाना प्रभारी उप निरीक्षक शैलेन्द्रसिंह कनेश एवं उनकी टीम ने रविवार को 120 ग्राम एमडीएमए मादक पदार्थ के साथ दो युवकों को पकड़ना बताया है। पुलिस के मुताबिक मुखबीर सूचना पर यह कार्रवाई की गई है।

थाना पुलिस के अनुसार बिलांत्री और दलौदा के बीच भाटेरवास गांव के नजदीक घेराबंदी की गई। यहां बाईक रोककर दो युवकों की तलाशी ली गई। जिसमें आरोपी भविष्य पिता मनीष राजपूत निवासी सीतामऊके कब्जे से 120 ग्राम एमडी बरामद की गई। आरोपी भविष्य के साथ एक नाबालिग भी था, जिसे भी हिरासत में लिया गया है। अफजलपुर पुलिस ने इस प्रकरण में तीन अन्य व्यक्ति भी शामिल होना बताया हैं। जिनके नाम बताने में अफजलपुर पुलिस हिचक रही थी। पुलिस का कहना हैं कि नाम बता दिये और सार्वजनिक हो गये तो आरोपी भाग जायेंगे। मजे की बात यह हैं कि जब शनिवार दोपहर करीब 02 बजे एमडी सहित 02 आरोपियों को पकड लिया गया था तो बाकी तीन का नाम 30 घंटे बाद भी नहीं बताकर उन्हें बचने का मौका दिया जा रहा हैं या... खैर अफजलपुर पुलिस के मुताबिक टीम शेष 03 आरोपियों को खोजने में लगी हुई है।

युवक को आत्महत्या के लिये उकसाने वाले पिता और सौतेली मां गिरफ्तार

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा के राम नगर निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच में पता चला कि पिता और सौतेली मां की प्रताडना से युवक ने यह कदम उठाया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

भानपुरा पुलिस ने बताया कि घटना 12 जुलाई की रात्रि की है। जब रामनगर निवासी 21 वर्षीय सुरेन्द्र सिंह सौधिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग धारा 194 बीएनएसएस दर्ज कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान मृतक के दादा गोपाल सिंह तथा अन्य परिजनों के बयान में बताया गया कि मृतक को उसके पिता श्याम सिंह एवं सौतेली मां अनंत कंवर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे और भूमि के बंटवारे में भी उसे वंचित किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्य एकत्र किए। डॉक्टरों की पीएम रिपोर्ट में भी फांसी से मृत्यु की पुष्टि हुई। पुलिस ने अपराध को गंभीर मानते हुए धारा 108, 3(5) बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर पिता श्याम सिंह उम्र 41 वर्ष एवं सौतेली मां अनंत कंवर उम्र 36 वर्ष को गिरफ्तार किया। दोनों को 13 जुलाई को न्यायालय गरोठ में पेश कर जैल भेज दिया गया।

मंदसौर में बारिश का अलर्ट, जमकर बरसे बादल

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में बारिश की अच्छी शुरुआत हुई। हालांकि इसके बाद बारिश मानो अवकाश पर चली गई थी। खंड वर्षा के रूप में विगत दिनों बारिश का दौर मंदसौर में चला। लेकिन, उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हो पाई। हालांकि रविवार शाम को बारिश ने सावन का अहसास करा दिया। सुबह से आसमान पर बादल छाए रहे। इस दौरान उमस का असर भी महसूस किया गया। शाम को मंदसौर में जमकर बारिश हुई। जिससे सडक़ों पर पानी जमा हो गया। बूंदाबांदी तो कभी तेज बारिश का दौर काफी समय तक चलता रहा। इसके अलावा जिले में अन्य कई जगहों पर भी बारिश हुई। बारिश के बाद गर्मी से निजात मिली। इधर चौबीस घंटे में मंदसौर के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान दो सौ मिमी से अधिक बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

प्रदेश की बात करें तो पूर्वी मप्र में बारिश कहर बरपा रही है। 15 से अधिक जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हैं। भोपाल में भी शनिवार की देर रात जोरदार बारिश हुई। दिनभर छाए बादल रात 10 बजे के बाद बरसे। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान रीवा में सबसे ज्यादा 8 इंच पानी गिरा। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर रही। निचली बस्तियों में 4 से 5 फीट तक पानी जा घुसा। इसके चलते चित्रकूट की सडक़ों पर लोग नाव चलाते दिखे। शहडोल में शाम को बाणसागर डैम के 7 गेट तो जबलपुर में नर्मदा पर बने बरगी डैम के 5 गेट खोले गए। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड के आसपास बने कम दबाव के क्षेत्र और यूपी से गुजर रही द्रोणिका का असर इन क्षेत्रों में देखा जा रहा है। शनिवार को रीवा में सबसे अधिक 8.12 इंच बारिश हुई। वहीं प्रदेश में भी बारिश का सिलसिला जारी है। अगले 24 घंटे प्रदेश के 41 जिलों में तूफानी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

तेज गति से दौड़ रही चांदी, पहले पखवाड़े में पांच हजार की तेजी

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। चांदी के भाव में तेजी जारी है। रविवार अवकाश के पहले शनिवार को एक ही दिन में 1500 रुपए का उछाल आया और भाव 01 लाख 11 हजार रुपए प्रतिकिलो पर पहुंच गए। यह ऑल टाइम हाई भाव हैं। वहीं इस महीने की बात की जाए तो महीने के पहले पखवाड़े के अंतिम दिनो के पूर्व 05 हजार रुपए की तेजी आई है। 01 जुलाई को टंच चांदी के भाव 01 लाख 06 हजार रुपए प्रतिकिलो थे। इससे यह हर दिन ऑल टाइम हाई पर है। वहीं इस साल चांदी 21 हजार 700 रुपए प्रतिकिलो मंहगी हुई है। 01 जनवरी को भाव 89 हजार 300 रुपए प्रतिकिलो थे।

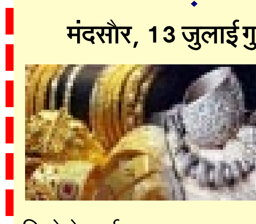

सोने में ज्यादा तेजी नहीं...

चांदी के भाव भले ही लगातार बढ रहे हैं। लेकिन, सोने में ज्यादा तेजी नहीं है। सोने के भाव में 200 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी आई और भाव 98 हजार 100 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गए। वहीं जेवराती सोना 89 हजार 860 रुपए प्रति दस ग्राम बिका। सोने के भाव पिछले कुछ दिनों से 97 से 98 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के आसपास ही चल रहे हैं।

कार की टक्कर से बाईक सवार दो युवको की मौत, एक घायल

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अंचल में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर नारायणगढ़ रोड स्थित ग्राम सौम्या के समीप कार और बाइक की टक्कर में दो की मौत हो गई। वहीं एक घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बाइक पर सवार होकर जा रहे लालू धनगर और राजू धनगर निवासी देवरी तहसील मल्हारगढ़ को कार ने टक्कर मार दी। कार भी अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। वहीं कार सवार भी घायल हो गया। मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज कर जांच कर रही है।

हाई प्रोफाइल लीलादेवी हत्याकांड...

24 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू व डेढ़ लाख रुपये से ज्यादा नगदी बरामद

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। केंट थाना क्षेत्र के बंसल चौराहा स्थित सिंहल मल्टी में 11 जुलाई की रात हुई महिला की हत्या का पुलिस ने महज 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। महिला की हत्या कर चोरी करने वाले आरोपी अर्जुन मीणा को उसके साथी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू व चोरी एक लाख 60 हजार रुपये नकद बरामद कर लिये गये है। इस सफलता पर पुलिस कप्तान अंकित जायसवाल ने सीएसपी, केंट थाना प्रभारी, सायबर टीम व अन्य सहयोगी पुलिस अधिकारियों और जवानों का सम्मान कर हौसला बढ़ाया।

वारदात से दो घंटे पहले खरीदा था चाकू ...

पुलिस कप्तान अंकित जायसवाल ने रविवार को प्रेस से चर्चा करते हुए मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी अर्जुन मीणा पूर्व में मृतिका के घर पुताई का कार्य कर चुका था, जिससे वह घर की स्थिति से भली-भांति परिचित था। आरोपी ने छह माह पूर्व भी मृतिका के घर से 32 हजार रुपये की चोरी की थी। इस बार वह बड़ी वारदात की योजना बना चुका था। आरोपी ने डेढ़ साल से मृतिका के घर की निगरानी करते हुए चोरी की योजना बनाई। 11 जुलाई को आरोपी ने वारदात से दो घंटे पहले चाकू खरीदा और फ्लैट नंबर 305, तीसरी मंजिल सिंहल मल्टी, बंसल चौराहा स्थित मृतिका लीलादेवी के घर पहुंचा। चोरी के दौरान लीलादेवी ने जब विरोध किया तो आरोपी ने धारदार हथियार से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी और मौके से 1.60 लाख रुपये लेकर फरार हो गया।

साथी को छोड़ा घर, सीसीटीवी और सायबर ट्रेसिंग से मिली सफलता...

वारदात के बाद अर्जुन मीणा ने अपने साथी लाभचंद उर्फ बंटी को उसके घर छोड़ा। पुलिस को यह जानकारी घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबीर तंत्र से मिली। सायबर सेल की सतर्कता और संयुक्त पुलिस टीम की मेहनत से आरोपी तक पुलिस महज 24 घंटे में पहुंच गई। आरोपी की निशानदेही पर चाकू और नकदी भी बरामद कर ली गई है। वारदात के मुख्य आरोपी अर्जुन पिता मुन्नालाल मीणा उम्र 34 वर्ष निवासी बघाना व उसके सहयोगी लाभचंद उर्फ बंटी पिता कन्हैयालाल कुम्हार उम्र 43 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है।

पुरस्कार हेतु भेजा प्रस्ताव...

प्रकरण की संवेदनशीलता और उच्चस्तरीय निष्पादन को देखते हुए पुलिस कप्तान द्वारा टीम को राज्य पुलिस महानिदेशक के माध्यम से पुरस्कृत करने का प्रस्ताव भेजा गया है।यह सफलता पुलिस की सूझबूझ, तकनीकी दक्षता और टीम वर्क का उदाहरण है। जिससे नीमच पुलिस की छवि और भरोसा आमजन में और मजबूत हुआ है।

जलीय जीवो के लिये– तालाब हो या अन्य कोई जलस्त्रोत, उनमें रहने वाले जलीय जीवो के लिये भी आक्सीजन जरूरी होती है। यही कारण है कि मंदसौर के तेलिया तालाब के पानी मे आक्सीजन की कमी को देखते हुए पुनः फव्वारे प्रारंभ किये गए है।

विचार-मंथन

जानलेवा पुल लोगों के जीवन कर रहे समाप्त

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी स्तर पर हरसंभव उपाय किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि बार-बार के हादसों के बावजूद सरकारी तंत्र के लिए इस पर गौर करना कोई जरूरी काम नहीं है और उसकी नींद तभी खुलती है, जब किसी बड़े हादसे से लोगों के बीच उपजा आक्रोश तूल पकड़ने लगता है।

गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने और उससे हुए जानमाल के नुकसान की घटना सरकारी तंत्र की इसी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता का सबूत है। गौरतलब है कि वडोदरा में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले व्यस्त पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इसकी चपेट में कई वाहन आए और टूटते पुल से महिसागर नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक, इसमें कम से कम सोलह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना को भी किसी आम हादसे की तरह देखा जाएगा, मरने और घायल होने वालों के लिए मुआवजे की घोषणा और जांच का आश्वासन जारी कर दिया जाएगा। मगर आमतौर पर ऐसी घोषणाओं के बाद सरकारी रवैया कुछ ही दिन में फिर अपने पुराने ढर्रे पर लौट जाता है और शायद किसी अगले हादसे का इंतजार किया जाने लगता है। यह समझना मुश्किल है कि जिस पुल के जर्जर होने और कभी भी हादसे का शिकार होने की आशंका से जुड़ी खबरें आ चुकी थीं, उस पर यातायात को रोकने और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई।

यह बेवजह नहीं है कि अब ऐसे सवाल तीखे रूप में उठाए जा रहे हैं कि गुजरात में इस तरह के खराब गुणवत्ता वाले जानलेवा पुल के बनने और भरभरा कर ढहने का सिरा सरकार के किन-किन महकमों और उसके कर्ता-धर्ता से जुड़ा है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। जिस राज्य के विकास को देश भर में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है, वहां सिर्फ चालीस साल पहले बना पुल इस हालत में पहुंच जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या ऐसे लोगों की पड़ताल कर उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा?

दरअसल, वडोदरा में पुल गिरने की घटना देश भर में ऐसे हादसों की महज एक कड़ी है। इससे पहले अक्तूबर, 2022 में गुजरात के ही मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना एक पुल नदी में गिर गया था, जिसमें एक सौ पैंतीस लोगों की जान चली गई थी। तब यह खबर आई थी कि सरकार ने सभी पुलों को मजबूती से जांचने और रखरखाव पुख्ता करने का दावा किया है। मगर पुल ढहने की ताजा घटना से सरकारी दावों की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। आमतौर पर किसी भी पुल के बनने के वक्त ही उसकी कुल आयु और रखरखाव के बारे में बता दिया जाता है। अगर कोई पुल किन्हीं वजहों से जोखिम की हालत में होता है तो उसे बंद कर दिया जाता है। ठोस तरीके से उसकी मरम्मत की जाती है या फिर उसका पुनर्निर्माण किया जाता है। विडंबना यह है कि वडोदरा के जर्जर पुल के जोखिम की आशंका जताए जाने के बावजूद कोई सावधानी नहीं बरती गई। अब सरकार को यह बताने की जरूरत है कि अगर आशंकाओं की जानबूझ कर अनदेखी नहीं की गई तो पुल की हालत के प्रति व्यापक लापरवाही की जवाबदेही किसकी है और कम से कम भविष्य में पुलों को सुरक्षित बनाने को लेकर धरातल पर क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे।

वादे और आंतरिक विरोधाभासों के बीच झूल रहा है ब्रिक्स...

विवेक मिश्रा

ब्राजील द्वारा आयोजित 2025 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन महत्वपूर्ण वैश्विक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हुआ, जो मुख्यतः अमेरिकी नीतिगत बदलावों से प्रेरित था. विश्व व्यापार संगठन से अमेरिका के हटने, सतत विकास लक्ष्यों के प्रति उसकी ढुलमुल प्रतिबद्धता, तथा वैश्विक नेतृत्व से रणनीतिक रूप से पीछे हटने से एक शून्य पैदा हो गया है, जिसे ब्रिक्स भरने के लिए तैयार है. इससे पीछे हटना वैश्विक दक्षिण की बढ़ती हुई मुखरता के बिल्कुल विपरीत है, क्योंकि ब्रिक्स देश अपनी विकासात्मक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए बहुध्रुवीय विश्व के लिए प्रयास कर रहे हैं.

फिर भी, ब्रिक्स स्वयं आंतरिक अंतर्विरोधों से बचा नहीं है. एक ओर, ब्रिक्स का आर्थिक प्रभाव तेजी से जी-7 के बराबर पहुंच रहा है, जिससे पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के संस्थागत प्रभुत्व को चुनौती मिल रही है. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और किफायती जलवायु वित्तपोषण पर गठबंधन का ध्यान पश्चिमी प्राथमिकताओं से भिन्नता को उजागर करता है, जो विकासशील देशों के साथ प्रतिध्वनित होता है. दूसरी ओर, शिखर सम्मेलन ने आंतरिक तनाव को भी उजागर कर दिया, क्योंकि समूह अपनी बढ़ती सदस्यता और अपने मूल उद्देश्यों के कमजोर पड़ने के जोखिम से जूझ रहा है. भारत इस शिखर सम्मेलन में एक प्रमुख देश के रूप में उभरा, जिसने जलवायु न्याय की वकालत करते हुए पर्यावरण, सीओपी-30 और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर जोर दिया. इतना ही नहीं अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन, मिशन लाइफ तथा एक पेड़ मां के नाम जैसी पहलों में इसका नेतृत्व वैश्विक दक्षिण प्राथमिकताओं के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. ये प्रयास भारत की उन मुद्दों पर नेतृत्व करने की महत्वाकांक्षा का संकेत देते हैं जिनमें पश्चिमी संस्थाएं कम सक्रिय दिखाई देती हैं.

फिर भी, पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत का गहरा एकीकरण अवसर और चुनौतियां दोनों पेश करता है. रूस और चीन के विपरीत, जिनके पश्चिम के साथ संबंध संरचनात्मक संघर्ष से चिह्नित हैं, भारत टकराव के बजाय सहयोग चाहता है. इससे भारत ब्रिक्स के भीतर एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है, जो पश्चिमी कार्यों को दक्षिणी अनिवार्यताओं के साथ जोड़ता है. हालांकि, पश्चिम के साथ संबंध बनाए रखते हुए ब्रिक्स के सामूहिक लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुशल कूटनीति की आवश्यकता है, विशेषकर तब जब समूह की पश्चिम विरोधी धारणा बढ़ती जा रही है. ब्रिक्स के विस्तार और इसमें नए सदस्यों के शामिल होने से इसकी सुसंगतता को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं. यद्यपि बड़ी सदस्यता से समूह का वैश्विक प्रभाव बढ़ता है, लेकिन इससे इसके मूल उद्देश्य के कमजोर होने का खतरा रहता है. रूस और चीन का पश्चिम के प्रति विरोधी रुख भारत के सहयोगात्मक दृष्टिकोण के विपरीत है, जिससे आंतरिक मतभेद पैदा हो रहा है. यह तनाव बाहरी दबावों से और बढ़ गया है, विशेष रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में समूह के एजेंडे पर प्रहार करने के लिए, और यह तय करेगा कि क्या ये देश एक समूह के रूप में एक साथ रह सकते हैं. नवीनतम मामले में ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना शायद शुरुआत मात्र है. इसके अलावा, ट्रंप के द्वारा ब्रिक्स सदस्यों पर केवल समूह में उनकी सदस्यता के आधार पर, 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने के प्रस्ताव ने भी दांव को बढ़ा दिया है, तथा समूह को अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व के प्रतिकार के रूप में स्थापित कर दिया है. टैरिफ का खतरा तथा अमेरिका-चीन के बीच जारी व्यापार तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में ब्रिक्स की भूमिका पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं. अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता का परिणाम ब्रिक्स की स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा, जिसमें भारत द्वारा मध्यस्थता की भूमिका निभाने की संभावना है. ब्रिक्स के लिए डॉलर-विमुक्तीकरण एक विवादास्पद टारगेट बना हुआ है, जो कुछ सदस्यों की वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की इच्छा से प्रेरित है. हालांकि शिखर सम्मेलन में वैकल्पिक मुद्राओं और भुगतान प्रणालियों पर चर्चा को गति मिली, लेकिन इसकी प्रगति धीमी रहने की संभावना है. अंतरराष्ट्रीय फाइनेंस में डॉलर की गहरी भूमिका एक बड़ी बाधा है, और इस मोर्चे पर ब्रिक्स देशों के बीच समन्वय अलग-अलग आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण जटिल है. भारत, अपने सतर्क रुख के साथ, डी-डॉलरीकरण का विरोध करता है. यूक्रेन और मध्य पूर्व में युद्धों ने वैश्विक व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया है, जिससे ब्रिक्स की महत्वाकांक्षाएं जटिल हो गई हैं. यूक्रेन संघर्ष में रूस की भूमिका ने अमेरिकी जांच को आकर्षित किया है, ट्रंप ने मास्को पर युद्ध को हल करने के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया है - जो उनके राष्ट्रपति पद का एक प्रमुख वादा है. इससे ब्रिक्स के प्रति अमेरिका की शत्रुता बढ़ गई है, क्योंकि अमेरिका इसे रूस और चीन द्वारा पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने का एक मंच मानता है. मध्य पूर्व संघर्ष वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर और अधिक दबाव डाल रहा है, तथा ऊर्जा की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी प्रभाव डाल रहा है. ब्रिक्स के लिए ये संकट एकीकृत कार्रवाई की जरूरत को उजागर करते हैं, लेकिन साथ ही विविध हितों को संरेखित करने की कठिनाई को भी रेखांकित करते हैं. दोनों संघर्षों में भारत का तटस्थ रुख मध्यस्थ के रूप में उसकी भूमिका को मजबूत करता है, लेकिन इन भू-राजनीतिक दरारों से पार पाना समूह की लचीलापन की परीक्षा लेगा. रूस और चीन ब्रिक्स के भविष्य को आकार देने वाले सबसे बड़े बाहरी कारक बने हुए हैं, विशेष रूप से व्यापार, टैरिफ और सुरक्षा पर अमेरिका की पुनःस्थिति के संदर्भ में. अमेरिका के साथ चीन के व्यापार तनाव और रूस के भू-राजनीतिक गतिरोध ने ब्रिक्स को नाजुक स्थिति में डाल दिया है. समूह की सफलता इन मतभेदों को कम करने पर निर्भर करती है, तथा सामंजस्य बनाए रखने में भारत का नेतृत्व अहम है. चूंकि अमेरिका ट्रंप के नेतृत्व में अपनी वैश्विक रणनीति को पुनः निर्धारित कर रहा है, इसलिए ब्रिक्स को प्रमुख साझेदारों को अलग किए बिना, बदलते व्यापार गतिशीलता और सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप ढलना होगा. 2025 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने खंडित वैश्विक व्यवस्था के बीच गठबंधन के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला. ब्रिक्स की प्रतिबद्धताओं और पश्चिमी प्रभुत्व के बीच तनाव को संतुलित करने वाली शक्ति के रूप में भारत की भूमिका, समूह की दिशा को आकार देगी. डी-डॉलरीकरण, ट्रंप की टैरिफ धमकियां और चल रहे युद्धों का प्रभाव जैसी चुनौतियां ब्रिक्स के समक्ष मौजूद जटिलताओं को रेखांकित करती हैं. रूस और चीन जैसे प्रमुख बाहरी कारकों के साथ, भारत का नेतृत्व यह सुनिश्चित करने में अहम होगा कि ब्रिक्स वैश्विक दक्षिण के लिए एक समेकित शक्ति बना रहे, तथा समानता और सहयोग पर आधारित बहुध्रुवीय विश्व को बढ़ावा मिले. चूंकि भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करेगा, इसलिए उसके पास समूह को उसकी प्राथमिकताओं की ओर ले जाने का एक अनूठा अवसर होगा. वैश्विक दक्षिण संस्थाओं को मजबूत करना, जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाना और आर्थिक लचीलापन बनाना भारत के एजेंडे का केंद्र बिंदु होगा. हालांकि, भारत को ब्रिक्स के भीतर की चुनौतियों का भी समाधान करना होगा, जिसमें अति-विस्तार का जोखिम और रूस और चीन के पश्चिम-विरोधी एजेंडे का प्रभाव शामिल है.

इंटरनेट क्रांति के पीछे भाग रही दुनिया

एकता कानूनगो बक्षी

जीवन में सक्रियता मनुष्य के जीवित होने को प्रमाणित करती आई है। फिल्मों में तो अक्सर जीवन के आगे बढ़ने को गतिशीलता के माध्यम से चिह्नित किया जाता रहा है- फिर वह दौड़ते हुए नन्हे पैरों का युवा के पैरों में तब्दील हो जाने का दृश्य हो या फिर घूमते हुए पहिये से समय के बदल जाने को अंकित किया गया हो। महज तीन घंटे में किसी के जीवन के पलों को इस तरह से चित्रित करना वाकई कलात्मक है। हालांकि मनुष्य के जीवन की अवधि फिल्मों की तरह निश्चित घंटे नहीं है। वह अनिश्चित है। इसके कारण एक तरह की जल्दबाजी मनुष्य के जीवन में हमेशा बनी रहती है, यहां तक कि कम उम्र में बहुत कुछ जल्दी से जल्दी पा लेना हमारे यहां समृद्धि से जोड़ा गया है।

जीवन में रफ्तार हमें कामयाबी, खुशियां, संपूर्णता, समृद्धि का बोध कराती आई है। जितनी जल्दी कोई अपने लक्ष्य तक पहुंच जाता है, हम उसे विजेता घोषित करते आए हैं, वहीं लक्ष्य तक पहुंचने के बीच की संघर्ष और मेहनत से भरी लंबी यात्रा को हर तरह की टिप्पणी का सामना करते रहना पड़ता है। कम समय में अधिक पा लेने की चाह अक्सर बनी ही रहती है। हमारी इस दौड़ लगाती, अपने लक्ष्य तक जल्दी पहुंचने, कम समय में सब कुछ पा लेने की चाह का बाजारीकरण होना भी निश्चित ही था। इंटरनेट क्रांति के बाद पूरी दुनिया वास्तव में हमारी मुट्ठी में आ गई लगती है। हमें ऐसी सुविधा दी गई है कि हम अपने काम की गुणवत्ता भी बढ़ा सकें, साथ ही काम को अंजाम देने की रफ्तार भी। मगर ऐसा महसूस होता है कि अधिकांश लोगों ने गुणवत्ता की जगह रफ्तार का चुनाव किया है, जिसके चलते आज हमारे पास सब कुछ प्रचुरता में उपलब्ध है।

इन दिनों अक्सर प्रतीत होता है कि मानो मनुष्य ने किसी मजबूरी के चलते नहीं, बल्कि स्वेच्छा से अपने आपको मशीन में ही तब्दील कर लिया है। ठहराव की गुंजाइश के बगैर वह एक जैसा काम लगातार करने में समर्थ हो गया है। बिना किसी खास परिवर्तन के वह बस अपनी छाप सोशल मीडिया के उजले मंचों पर छोड़ता जा रहा है। कभी स्वयं के चित्रों और वीडियो के जरिए तो कभी अपने बेहद हड़बड़ी या उतावलेपन में जाहिर किए गए अपरिपक्व विचारों के माध्यम से। नवीन प्रयोग, विचार कुछ गिनती के देखने को मिलते हैं और बाकी सब उसी की प्रतिलिपि नजर आते हैं। सार्थक सृजन न कर पाने के बाद भी, केवल गतिशील बने रहना ही मनुष्य को खुशी और संतुष्टि महसूस कराने लगा है। यह चिंताजनक स्थिति है।

सृजन की वास्तविक प्रक्रिया को अगर हम समझें, तो पाएंगे कि कलाकार एक लंबी प्रक्रिया- अध्ययन, अभ्यास, पुनरावलोकन, चिंतन से होकर गुजरता है, तब जाकर कोई एक सार्थक कृति का निर्माण हो पाता है। अगली कृति के लिए फिर से इसी लंबी प्रक्रिया को दोहराना होता है, ताकि नई कृति पहले से बेहतर बन सके। केवल कला का ही क्षेत्र नहीं, लगभग हर क्षेत्र में बेहतर परिणाम के लिए खुद को लगातार परिष्कृत करना पड़ता है। जिस तरह से इन दिनों हर दिन एक नई कृति, भले ही वह कोई लेख हो या विचार के रूप में हो, वीडियो के जरिए अपना हुनर दिखाना हो, बिना अल्प विराम के लगातार प्रसारित हो रहे हैं, संभवत-किसी फोटोकापी मशीन की तरह ही बस हम लगातार एक जैसी चीजें निर्मित करते जा रहे हैं। गति यहां बहुत है, पर क्या हम इंसान के भीतर की वास्तविक संभावनाओं का पूरा उपयोग कर पा रहे हैं?

वहीं किसी गंभीर घटना के होते ही जानकारियों की बाढ़-सी आने लगती है। महसूस होता है कि घटना के सभी पक्षों का अध्ययन कर सटीक जानकारी को उपयुक्त शब्दों में ईमानदारी से ढालकर प्रतिक्रिया देना उतना आवश्यक अब नहीं है। बस जल्दी से जल्दी प्रसारित कर देना सर्वोपरि हो गया है। हमारी नैतिक जिम्मेदारियां और संवेदनाएं अब विलुप्त-सी होती जा रही हैं। हमारे इस हड़बड़ाहट से भरे रवैये का बहुत गहरा असर मनुष्य की मानसिक स्थिति पर पड़ा है। आज का मनुष्य पहले से अधिक अस्थिर और अधीर चित्त का होने लगा है। हमारे त्वरित निर्णय, निष्कर्ष हमें आक्रामक बना रहे हैं। हम अपने भीतर की चेतना को मौन कर चुके हैं, हमारी अपनी विवेकशीलता, संवेदनाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका है। हम केवल अनुयायी हैं। जो भी हमें लगातार दिखाया, सुनाया जा रहा है, वही हमारे जीवन का सच बन चुका है। विवेक को दरकिनार करते हुए चलने वाली इस दौड़ का क्या कारण हो सकता है और इसका लाभ वास्तव में किसे मिल रहा है, यह हमें सोचना होगा। हम सब जानते हैं कि जीवन में प्रगति तभी संभव है जब हम अपने भीतर सीखने, समझने और अपने विचारों पर पुनरावलोकन करने की विनम्रता खुद में विकसित कर सकें। हम अपने आसपास के वातावरण को लेकर पूरी तरह सजग रह सकें। हमारे भीतर सद्भावना और सौहार्द की भावना जीवित रहे। हमें समझना होगा कि आखिर क्यों थोड़ा-सा ठहराव भी हमें इतना डराने लगा है। क्या हम अपनी ही वास्तविकता से दूर भागने के लिए इस कदर दौड़ लगा रहे हैं? हम किसे दिखाना चाहते हैं और क्या सिद्ध करना चाहते हैं? जीवन इतना भी उथला नहीं हो सकता।

अंतरिक्ष तक पहुंचने वाले देश में ही हैं रूढ़िवादी लोग

अंतरिक्ष में पांव रख चुके भारत में आज भी कई तरह की रूढ़ियां आम दिखती हैं, तो इसकी वजह यही है कि हम कई मामलों में मानसिक रूप से दशकों पीछे जी रहे हैं। अन्यथा एक प्रगतिशील समाज में और वह भी स्कूल जैसी जगह पर माहवारी की जांच के नाम पर स्कूली छात्राओं के कपड़े नहीं उतरवाए जाते। इससे अधिक अफसोसनाक बात क्या हो सकती है कि ठाणे जिले के जिस विद्यालय में पढ़ने वाली बच्चियों को भावनात्मक रूप से ठेस पहुंचाया गया, वहां प्रधानाचार्य खुद एक महिला हैं। परिसर में उनके रहते यह सब हुआ।

विचित्र यह है कि शौचालय में फर्श पर खून के धब्बे होने की जानकारी के बाद जहां प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षिकाओं को बेहद संवेदनशील तरीके से पेश आने की जरूरत थी, वहां बच्चियों को न केवल स्कूल सभागार में बुलाया गया, बल्कि सार्वजनिक रूप से उनसे यह पूछा गया कि क्या उनमें से कोई मासिक धर्म चक्र से गुजर रही है। जिन छात्राओं ने इनकार किया, उनकी अभद्र तरीके से जांच की गई। निस्संदेह बच्चियों से यह व्यवहार अक्षम्य है, इसलिए महाराष्ट्र सरकार ने उचित कार्रवाई की और इस मामले में प्रधानाचार्य सहित एक महिला कर्मी को गिरफ्तार किया गया। पूरे मामले की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि महिलाओं के जिस प्राकृतिक चक्र या अवस्था को समझने-जानने और बच्चियों को उचित तरीके से शिक्षित करने की जरूरत है, वहां स्कूल जैसी जगह में भी उनके साथ ऐसा बर्ताव किया जाता है, जिससे इस अवस्था के प्रति कम उम्र की लड़कियों के भीतर नाहक आशंका पैदा होती है। ठाणे के स्कूल में माहवारी की जांच के नाम पर जिन बच्चियों के साथ अवांछित हरकत की गई, उनके मन-मस्तिष्क पर इसके असर का अंदाजा लगाया जा सकता है। पारंपरिक जड़ता के घेरे में घरों-परिवारों में माहवारी के दौरान लड़कियों के प्रति कई तरह के दुराग्रह पहले ही मौजूद रहे हैं।

जबकि यह सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। अफसोसनाक यह है कि जब किसी स्कूल की प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं की समझ ही इस विषय पर पूर्वाग्रहों से भरी है, तो जड़ मानसिकता वाले समाज से क्या उम्मीद की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तुला · वृश्चिक · धनु · मकर · कुंभ · मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5656

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5655

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5656

संकेत: बाएं से दाएं

1. प्रसिद्ध भारतीय सरोदवादक जिनका आज जन्म दिन ... अक्टूबर 1945 है (7)
6. हानि, नुकसान (2)
7. स्नेह, वात्सल्य (3)
8. जो रिश्ते में नाना के पिता हों (4)
10. प्रत्येक पक्ष की तीसरी पक्ष, तीज (3)
12. भारत के प्रसिद्ध लॉन टेनिस खिलाड़ी (6)
16. तीन घंटे या एक पहर का समय (2)
18. पुरानी फिल्मों के पार्श्व गायक (सिर्फ नाम) (3)
19. महक, मस्तक, पेशानी (3)
21. नाभिका, प्राणेंद्रिय, शरीर का एक संवेदी अंग (2)
22. जिसका कोई नाम न हो, अनामक (3)
23. धर्म संप्रदाय, मार्ग, रास्ता (2)

ऊपर से नीचे

1. कैलाश शुक्ल पुनीत जिसे आकाशीय भी कहा जाता है (6)
2. बुद्धि, अक्ल, समझ (2)
3. प्रथा, रीति, कायदा, नियम, रिवाज (3)
4. नौका आदि में छेद करना, हाथ से फैलाना (3)
5. मुंह में छलके से हवा के बाहर निकलने की आवाज (2)
8. समाचार, खबर, संदेश, संदेसा (उर्दू) (3)
9. अभियोग, मुकदमा, याचिका (3)
11. अव्यवस्थित, मिला हुआ, जाति निर्धारित (3)
13. फुटबाल में दो पहिया वाहन चलाने वाले के लिए आवश्यक सुरक्षित पहनावा (3)
14. भगवान शंकर का एक नाम, इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने एक भूत का चरित्र निभाया है (4)
15. ओढ़ने का कपड़ा, चादर (3)
17. प्राचीन काल, जिसका, इतना (3)
20. क्रिकेट, फौजी दस्ता, उर्दू का एक अक्षर (2)

वर्ग पहेली 5655 का हल

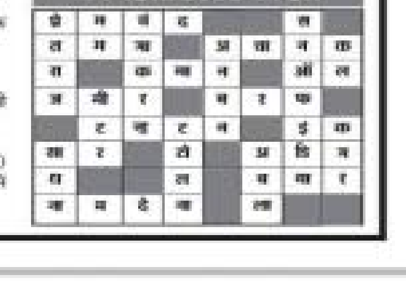

भोपाल का बड़ा तालाब: दो साल बाद एक बार फिर से क्रूज चलाने की तैयारी, डीजल की जगह लगेगा इलेक्ट्रॉनिक इंजन

भोपाल (प्रप्र)। राजधानी भोपाल झीलों का शहर है यहां लोग तालाबों के किनारे पहुंचकर तरह-तरह के लुत्फ उठाते हैं। पिछले 2 साल से बड़ा तालाब में बंद पड़े क्रूज को एक बार फिर से रन करने की तैयारी की जा रही है। यह क्रूज 2011 से चलाया जा रहा है, इसका नाम लेक प्रिंसेस (क्रूज) है। इसके साथ जलपरी (मोटर बोट) भी बंद है। दरअसल एनजीटी ने प्रदूषण का हवाला देते हुए इन पर रोक लगा दी है। अब मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एमपीटी) क्रूज को डीजल की जगह इलेक्ट्रॉनिक इंजन (ईवी) से चलाने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के मुताबिक आने वाले समय में क्रूज न सिर्फ सैलानियों के साथ नजर आएगा, बल्कि मोटर बोट से लोग झील की लहरों पर फर्राटा भरेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक इंजन लगाने से यह होगा फायदा : एमपीटी के अधिकारियों का कहना है कि इलेक्ट्रिक क्रूज जहाज डीजल इंजन वाले क्रूज की तुलना में कम प्रदूषण करते हैं। और पर्यावरण पर कम प्रभाव डालते हैं। साथ ही इलेक्ट्रिक क्रूज जहाजों को चलाने के लिए कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिससे परिचालन लागत कम हो जाती है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक क्रूज जहाजों को चलाने में कम शोर होता है, जिससे यात्रियों को शांत और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलता है। इलेक्ट्रिक क्रूज जहाजों में नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

बड़ी संख्या में पहुंचते हैं लोग : राजधानी भोपाल स्थित बड़ा तालाब में हर दिन सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। इनमें से अधिकांश बोटिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। क्रूज और मोटर बोट के जरिए बड़ी झील की लहरों को करीब से देखते हैं। इसके अलावा प्राइवेट नाव का संचालन भी वहां से होता है। क्रूज बंद होने से लोगों में मायूसी आ गई थी। हालांकि सरकार वहां पर जल्द ही शिकारे शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसी महीने 20 शिकारे बड़ा तालाब में शुरू हो जाएंगे।
अभी चल रही है तैयारी : मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के एमडी डॉ. इलैया राजा टी ने बताया कि बड़ा तालाब में एनजीटी के आदेश के बाद क्रूज बंद कर दिए गए थे। अब हम पर्यावरण का ध्यान रखते हुए इलेक्ट्रिकल इंजन से क्रूज चलाने पर विचार कर रहे हैं। हम इसी महीने बड़े तालाब में शिकारे चलाना शुरू कर देंगे। 10 शिकारे पहुंच चुके हैं 10 और मांगे गए हैं।

मंत्री सारंग ने किया निर्माणाधीन गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

भोपाल (नप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत निर्माणाधीन गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर के प्रत्येक खंड का बारीकी से अवलोकन किया और निर्माण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिये कि निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, और शासकीय सांदीपनि विद्यालय इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। शासकीय सांदीपनि विद्यालय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो न केवल सरकारी शिक्षा को मजबूती देगा, बल्कि निजी विद्यालयों की तुलना में कहीं अधिक सुव्यवस्थित और उन्नत सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गोविंदपुरा में बन रहा यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा।

गाइडलाइन के अनुरूप हो बैठक व्यवस्था

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप सांदीपनि विद्यालयों को विकसित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार, समावेश और आधुनिकता सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय भवन में शाला कक्षों की बैठने की व्यवस्था का पुनर्परीक्षण किया जाए और निर्माण कार्य पूरी तरह गाइडलाइन के अनुरूप हो।

सांदिपनी विद्यालय में विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर शिक्षा

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि गोविंदपुरा शासकीय सांदीपनि विद्यालय को मॉडल स्कूल एवं स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की वरीयता के अनुरूप विकसित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और समग्र विकास के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में आधुनिक क्लासरूम के साथ-साथ विज्ञान, गणित, कंप्यूटर जैसी विषयों की प्रयोगशालाएं भी स्थापित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए खेल मैदान, बास्केटबॉल कोर्ट, पुस्तकालय, डिजिटल शिक्षण कक्ष, और स्वच्छता की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सेवा भारती आनंद धाम वृद्धा आश्रम सभागार में

पीपल्स थियेटर ग्रुप ने गुरु पूर्णिमा उत्सव वृद्धा आश्रम के बुजुर्गों के साथ मनाया

भोपाल (नप्र)। शनिवार 12 जुलाई 2025 को सेवा भारती आनंद धाम वृद्धा आश्रम सभागार भोपाल में पीपल्स थियेटर ग्रुप द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव वृद्धा आश्रम के बुजुर्गों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों के मनोरंजन देश कि प्रथम महिला अध्यापिका क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्षों पर आधारित नाटक का मंचन भी किया गया। नाटक का आलेख एंव निर्देशन सिन्धु धौलपुरे का रहा। मंच पर 20 कलाकारों ने अपने प्रभावी अभिनय से सावित्रीबाई द्वारा समाज में व्यापक कुरीतियों और अंधविश्वास के खिलाफ किए गए कार्यों को बहुत ही मार्मिक रूप से मंचित किया गया?। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से सावित्रीबाई फुले के द्वारा महिला शिक्षा और उनके द्वारा समाज उत्थान के लिए किए गए कार्यों को अपने नाट्य अभिनय से दिखाने का प्रयास किया।

नाटक कि कहानी की शुरुआत सावित्रीबाई फुले के बचपन से होती है,वो पढ़ना चाहती हैं लेकिन उन्हें शुद्ध लड़की होने के कारण स्कूल से भगा दिया जाता है,यही से उनके जीवन कि संघर्ष यात्रा कि शुरुआत होती है,समय बीतने के साथ ही सावित्रीबाई की शादी ज्योतिबा फुले से हो जाती हैं। समाज सुधारक ज्योतिबा फुले सावित्रीबाई को उनकी पढ़ाई पूरी करने को कहते हैं,और स्वयं सावित्रीबाई को पढ़ाते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी होने के बाद सावित्रीबाई को महिला शिक्षा का महत्व समझ आता हैं, और फिर सावित्रीबाई महिलाओं और लड़कियों को शिक्षित करने के लिए स्कूल की शुरुआत करती हैं। यह बात समझ के उच्च वर्ग को सहन नहीं होती उनके स्कूल आते जाते समय लोग उन पर गंदा कचरा, मल-मूत्र कीचड़ फेंकते और कहते कि अगर तुम सुधरी नहीं तो कीचड़ तुम्हारे चरित्र पर भी कुछ उछलेगा। सावित्रीबाई इन घटनाओं से प्रभावित हुए बिना ही समाज उत्थान के अपने काम को करती रहती हैं। सावित्रीबाई के स्कूल में लड़कियों को उच्च स्तर की शिक्षा और सुविधाएं मिल रही थी जो लड़कों को भी नहीं मिल पा रही थी। स्वयं किया पति का क्रियाकर्म - कन्या शिक्षा के बाद सावित्रीबाई विधवाओं के मुंडन प्रथा के खिलाफ लड़ी इस विद्रोह की वजह से नाइयों ने उनके खिलाफ मोर्चा निकाल कर हड़ताल की। इसी दौरान सावित्रीबाई के पति का ज्योतिबा फुले का निधन हो गया और उनके सौतेले बेटे को क्रियाकर्म करने से पंडित रोक देता है,अपने पति का क्रिया कर्म सावित्रीबाई स्वयं करती हैं और कहती है कि मुझे से बड़ा रक्त संबंधी ज्योतिबा का कोई नहीं है पति का क्रियाकर्म कर समाज को नया आइना दिखाती हैं। प्रकाश परिकल्पना-डॉ.प्रदीप वर्मा, म्यूजिक-शुभ्रा गुहा, वेशभूषा-सिन्धु धौलपुरे, रूप सज्जा-रितिका बरछे। मंच पर कलाकार - भूमिका बरछे, मोहित कुमार सोनी, रितिका बरछे, यश कापड़ने, आदित्य बागड़े, अश्विनी बरछे, प्रखर मौर्य, मदीहा, चंचल विश्वकर्मा, रक्षा पटवा, अभय विश्वकर्मा, शुभम कहार, तनिष प्रजापति आदि लोग शामिल थे।

शहर के मध्य स्थित चार गैस गोदामों को शहर से बाहर ले जाने के निर्देश

रतलाम, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के मध्य आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रो में स्थित चार गैस गोदामों को दो माह के भीतर शहर से दूर अन्यत्र स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों में कहा गया है कि यदि दो माह के भीतर इन्हे स्थानांतरित नहीं किया गया तो गोदामों को सील कर दिया। जायेगा

कलेक्टर राजेश बाथम द्वारा 4 गैस एजेंसीज अमित अग्रवाल एवं श्रीमती कविता अग्रवाल ललित गैस सर्विस इंडियन गैस डीलर, रमेश पीपाड़ा प्रोपराइटर अल्फा गैस सर्विस इंडेन गैस डीलर, श्रीमती सरिता पीपाड़ा प्रोपराइटर अंशुल इंडियन इंडियन गैस डीलर, योगेश शर्मा एवं जय प्रकाश शर्मा पार्टनर रतलाम गैस कंपनी एचपी गैस डीलर को निर्देशित किया गया है कि गैस एजेंसी के गोदाम रतलाम नगर के मध्य होकर आवासीय क्षेत्र में निर्मित है। पूर्व में जब गैस गोदाम निर्मित किए गए थे, तब यह स्थान आबादी क्षेत्र में नहीं था। वर्तमान में गैस गोदाम के आसपास घनी आबादी बाग कॉलोनी भी बनी हुई है। गोदाम के आसपास से प्रतिदिन अधिकांश भारी वाहनों एवं लोगों का आवागमन होता रहता है। अचानक आग लगने के कारण भयावह स्थिति निर्मित हो सकती है। पूर्व में प्रेषित पत्रों के माध्यम से नियम अनुसार भूमि मिलने के उपरांत विस्फोटक विभाग से लाइसेंस एवं और संबंधित विभागों से अनुमति मिलने के उपरांत एलपीजी गोडाउन निर्माण/ स्थानांतरण, विस्फोटक लाइसेंस आदि प्रक्रिया के लिए उपयुक्त समय चाहा गया था किंतु एक वर्ष व्यतीत होने के पश्चात भी गैस एजेंसियों द्वारा अब तक आवासीय क्षेत्र में निर्मित गैस गोदामों को स्थानांतरित नहीं किया गया है जो अत्यंत आपत्तिजनक है। उक्त निर्देशों के बाद भी उक्त एजेंसियों द्वारा गैस गोदाम को स्थानांतरित करने में रुचि नहीं दर्शाई है और ना प्रगति से अवगत कराया है। अंतिम अवसर देते हुए कलेक्टर श्री बाथम ने निर्देशित किया है कि शहर के मध्य स्थित आवासीय क्षेत्र में दो माह में उक्त गैस गोदाम को स्थानांतरित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जावे अन्यथा उक्त गैस गोदाम सील कर उक्त स्थल से गैस आपूर्ति रोक दी जाएगी। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की स्थिति में दंडात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन के लिए गैस एजेंसियां व्यक्तिगत रूप से उत्तरदाई होगी।

आज सावन सोमवार की झांकी सजेगी

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। 167 साल पुराने मनोकामना महादेव मंदिर भोलेनाथ पर सावन सोमवार के उपलक्ष्य में भोलेनाथ पर हरी घास से झोपडी में भोलेनाथ को विराजित किया जाएगा एवं महादेव के सर से गंगा निकालती रहेगी आम जनता श्रद्धालुओं से आह्वान है की सुबह 5बजे से भोलेनाथ का अभिषेक दोपहर 2 बजे तक रहेगा उसके पश्चात झांकी का आनंद लेते रहे हैं सह परिवार पधारने का कष्टकरें नीमच सिटी रोड मनोकामना महादेव मंदिर बैकुंठ धाम बडी पुलिया के नीचे भव्य मंदिर आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

बीएमएचआरसी को मिली राष्ट्रीय पहचान, रेडिएशन मात्रा की जांच करेगी यहां की लैब, देश से 6 संस्थानों का चयन

भोपाल । राजधानी के भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) को एक बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल हुई है। देशभर में चुनिंदा संस्थानों को शामिल कर बनाए गए इंडियन बायोडोसिमीट्री नेटवर्क में साबीएमएचआरसी की इटोजेनेटिक प्रयोगशाला को शामिल किया गया है। इसके तहत यह लैब अब रेडिएशन के कारण होने वाली आपदा की स्थिति में रेडिएशन के असर का वैज्ञानिक आकलन करेगी और गंभीर परिस्थितियों में इलाज करने के लिए सटीक जानकारी देगी। इस उपलब्धि के साथ बीएमएचआरसी मध्य भारत का पहला और इकलौता संस्थान बन गया है, जिसे इस अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय नेटवर्क में स्थान मिला है।

रेडिएशन से कैसे बचाएगा यह नेटवर्क? देश में परमाणु ऊर्जा, उद्योग और चिकित्सा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रेडिएशन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। खासतौर पर चिकित्सा के क्षेत्र में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में रेडियोथेरेपी जैसी तकनीकों के माध्यम से रेडिएशन का व्यापक रूप से प्रयोग किया जा रहा है। ऐसे में यदि कभी किसी जगह पर रेडिएशन का रिसाव हो जाए या किसी को अनजाने में ज्यादा मात्रा में रेडिएशन लग जाए, तो डॉक्टरों को इलाज शुरू करने के लिए यह जानना जरूरी होता है कि मरीज को कितनी मात्रा में रेडिएशन से प्रभावित हुआ है। बायोडोसिमीट्री वह वैज्ञानिक तरीका है जिससे यह पता लगाया जाता है कि व्यक्ति के शरीर में रेडिएशन की कितनी मात्रा गई है। इस जानकारी से डॉक्टर सही समय पर सही इलाज शुरू कर पाते हैं।

बीएमएचआरसी की प्रयोगशाला का क्या होगा काम? - बीएमएचआरसी के अनुसंधान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ रविंद एम समर्थ ने बताया कि हमारी साइटोजेनेटिक लैब अब रेडिएशन से प्रभावित व्यक्तियों के रक्त नमूनों की जांच कर यह बता सकेगी कि उन्हें कितना नुकसान हुआ है। इस तकनीक का उपयोग खासतौर पर आपातकालीन परिस्थितियों में किया जाएगा जैसे परमाणु संयंत्र में दुर्घटना, अस्पताल में उपकरण की गड़बड़ी या किसी प्रकार की रेडिएशन घटना। यह लैब अब देश की अन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर आम लोगों पर हुए रेडिएशन के असर का वैज्ञानिक आकलन करेगी और जांच व इलाज की दिशा तय करने में मदद करेगी।

देशभर में सिर्फ 6 संस्थानों का चयन -भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र BARC द्वारा शुरू किए गए इस नेटवर्क में देशभर से केवल 6 संस्थानों को चुना गया है। बीएमएचआरसी के अलावा इसमें चेन्नई, दिल्ली, लखनऊ, मंगलुरु और कलपक्कम की प्रयोगशालाएं शामिल हैं। यह सभी मिलकर देश में रेडिएशन से निपटने की वैज्ञानिक क्षमता को बढ़ाएंगी।

कैसे पता चलता है रेडिएशन ने कितना असर डाला -डॉ समर्थ ने बताया कि जब किसी व्यक्ति को अत्यधिक रेडिएशन का असर होता है, तो इसका सबसे बड़ा प्रभाव शरीर की कोशिकाओं में मौजूद क्रोमोजोम पर पड़ता है। रेडिएशन से क्रोमोजोम में टूट-फूट, असामान्य जुड़ाव या अतिरिक्त संरचनाएं बन सकती हैं, जो शरीर के लिए खतरनाक साबित होती हैं। बीएमएचआरसी की साइटोजेनेटिक लैब में मरीज के खून के नमूने लेकर विशेष जैविक तकनीकों जैसे डायसेंट्रिक क्रोमोजोम अस्से (DCA) और माइक्रोन्यूक्लियस अस्से के माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि रेडिएशन से क्रोमोजोम में कितनी और किस प्रकार की क्षति हुई है। उदाहरण के लिए, डायसेंट्रिक क्रोमोजोम का बनना रेडिएशन के प्रभाव का पुख्ता संकेत होता है, और उनकी संख्या के आधार पर यह आकलन किया जाता है कि मरीज को कितना रेडिएशन डोज लगा है। इस वैज्ञानिक पद्धति से समय रहते सटीक इलाज संभव हो पाता है और रेडिएशन से होने वाले गंभीर प्रभावों को रोका जा सकता है।

यह हमारे लिए गर्व की बात - बीएमएचआरसी की निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा बै कि बीएमएचआरसी को इस राष्ट्रीय नेटवर्क में शामिल किया जाना हम सभी के लिए गर्व की बात है। यह संस्थान की वैज्ञानिक क्षमताओं और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान का प्रमाण है। भोपाल और मध्य भारत के लिए यह सुविधा अब रेडिएशन से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति में एक मजबूत सहारा बनेगी।

अभा रेबारी समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के कचनारा स्थित बाबा श्री रामदेव मंदिर परिसर में अखिल भारतीय रेबारी समाज मध्य प्रदेश का प्रतिभा सम्मान समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ ,कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी पूजा अर्चना कर सम्मान समारोह की शुरुआत की गई , प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन अखिल भारतीय रेबारी समाज के युवा अध्यक्ष हीरालाल रेबारी के नेतृत्व किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 9 वी से 12 वी तक के छात्र - छात्राओं को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

गौरतलब है कि अखिल भारतीय रेवाडी समाज की युवा अध्यक्ष हीरालाल रेबारी व उनकी युवा टीम के प्रयासों से समाज उत्थान के लिए जिले में पहली बार समाज के छात्र - छात्राओं के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसकी रेबारी समाज के वरिष्ठजन सहित समाजजन द्वारा इस प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम की जमकर सराहना की गई । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संत श्री श्री 1008 चैतन्य नाथ महाराज, व विशेष अतिथि श्री श्री 1008 त्रिलोक नाथ महाराज , राष्ट्रीय पशुपालक संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह रेबारी, अखिल भारतीय रेबारी समाज सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेमराज रेबारी, हंसराज , ललित, अशोक , नरेंद्र आदि मंचासीन रहे । कार्यक्रम के अतिथियों द्वारा समाज जन को संबोधित करते हुए कहां कि समाज के युवाओं को शिक्षा की ओर अग्रसर करना पड़ेगा और सभी को शिक्षित करना पड़ेगा जिसे अपनी समाज और आगे बड़े स्तर पर उंचाइयां हासिल करें । इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य किरदार समाज युवा अध्यक्ष हीरालाल रेबारी का भी अतिथियों द्वारा फूल माला और शील्ड देखकर सम्मानित किया गया एवं आगे भी समाज के उत्थान के लिए आप काम करते रहे इसके लिए भी अग्रिम बधाइयां दी , कार्यक्रम का संचालन भेरूलाल नायमा ने किया, आभार समाज के वरिष्ठबापूलाल भाटी ने माना।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी तोमर से किया संवाद

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आम आदमी पार्टी मंदसौर जिला इकाई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने इंदौर में कार्यकर्ता संवाद के अवसर पर मध्यप्रदेश आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं दिल्ली के पूर्व कानून मंत्री श्री जितेन्द्रसिंह तोमर से मुलाकात की एवं जिले में पार्टी के संगठन विस्तार को लेकर अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें नए पदाधिकारियों को नियुक्ति देकर संगठन को मजबूती देने पर चर्चा की गई। इंदौर में आयोजित कार्यकर्ता संवाद में मंदसौर जिलाअध्यक्ष यशवंत धाकड, जिला सहसचिव इस्माइल मेव, धर्मेंद्रसिंह सोनगरा किशोर पाटीदार एवं रामविलास धाकड शामिल हुए। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत द्वारा दी गई।

जिले में अब तक औसत 348.1 मिमी वर्षा दर्ज

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में चालू वर्षाकाल में अब तक औसत 348.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में औसत 199.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू अभिलेख नीमच से प्राप्त9 जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से इस वर्ष अब तक नीमच में 310.5 मि.मी., जावद में 410 मि.मी., सिंगोली में 449 मि.मी. एवं मनासा में 223 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई हैं। जबकि गत वर्ष इस अवधि में नीमच में 193 मि.मी.जावद में 213 मि.मी. एवं मनासा में 193 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 13 जुलाई 2025 को प्रात: 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में औसत 9.25 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में नीमच में 7, जावद में 8, एवं मनासा में 22 मि.मी व वर्षा दर्ज की गई है। सिगोली में कोई वर्षा नही हुई है ।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने प्रांताध्यक्ष भरत पटेल के आह्वान पर जिला अध्यक्ष श्याम मीणा के नेतृत्व में रविवार, 13 जुलाई को अभिव्यक्ति स्थल महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर सैकडो की संख्या में अध्यापक उपस्थित हुए और यहां पर 1 घंटे के लगभग नारेबाजी की एवं आक्रोश जताया अध्यापकों में नाराजगी थी कि अन्य विभागों में तो ई अटेंडेंस नहीं लगाई जाती केवल अध्यापकों पर ही ई अटेंडेंस क्यों लगाई जा रही है। अध्यापक चाहते हैं कि अन्य विभागों की भांति हमारी भी उपस्थित ली जाए। 1 घंटे की नारेबाजी के बाद अध्यापक वाहनों से शिक्षक स्वाभिमान रैली लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे यहां पर उपस्थित सभी शिक्षकों को जिलाध्यक्ष श्याम मीणा संबोधित किया और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो हमारा अगला पड़ाव भोपाल होगा,सुशासन परिसर में कलेक्टर प्रतिनिधि तहसीलदार श्री शर्मा को

ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि अन्य विभागों की भांति ही शिक्षकों की उपस्थिति ली जाए, ई अटेंडेंस को तत्काल बंद की जाए,अध्यापकों की प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर पुरानी पेंशन बहाल की जाए,आई एफ एम एस पोर्टल पर नियुक्ति दिनांक 1जुलाई 2018 आ रही है उसमें तत्काल सुधार किया जाए,जिन अध्यापक साथियों को क्रमोन्नति दी गई है उनके एरियर की राशि का तत्काल भुगतान किया जाए,साथ ही जिनकी क्रमोन्नति बकाया है वह भी तत्काल दि जाएं । ज्ञापन में यह भी कहा गया की आदिम जाति कल्याण विभाग को स्कूल शिक्षा विभाग में विलय कर दिया जाए ताकि जो शिक्षक जहां कार्य कर रहे हैं उनकी क्रमोन्नति व पदोन्नति वहीं से हो जाए।

ज्ञापन देते समय आजाद अध्यापक शिक्षक के प्रांतीय उपाध्यक्ष विक्रम कछावा,प्रांतीय प्रवक्ता सुनील परिहार, प्रांतीय सह सचिव दशरथ जी गहलोत,संभागीय प्रवक्ता विकास त्रिवेदी संभागीय संगठन मंत्री भारमल गौड,जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा जिला कोषाध्यक्ष अंबालाल धनगर,जिला महासचिव राजाराम कुमावत ब्लॉक अध्यक्ष मंदसौर आनंद आंजना सीतामऊ ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमलाल प्रजापत मल्हारगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पंकेश मालवी सुवासरा ब्लॉक अध्यक्ष संतोष शर्मा, गरोठ ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र व्यास, भानपुरा ब्लॉक अध्यक्ष करण सिंह दायमा महिला जिला वाहिनी निवेदिता नाहर,अरुण जी पाटीदार, पंकज गहलोत,शालिग्राम सिसोदिया, नारायण सेठिया, विजय मीणा,सुंदरलाल कॉक्स,गोपाल सूर्यवंशी, देवकिशन जाटव, जुझारसिंह दांगी, मदन डांगी, कारुलाल तंवर,परमानंद धाकड,विनोद पाटीदार, किशोर पाटीदार ,मेघराज राज सिंह सिसोदिया, रामकिशन चौहान,सुभाष भट्ट, सुभाष गर्ग,प्रेम भेसावल, मनोहर मीणा, मनोहर सालित्रा, किशोर सांवलिया, नंद किशोर गहलोत, जिला वाहिनी रामकन्या कालेट,अंजू त्रिवेदी,शबाना मंसूरी, शेरबानो खान, गुड्डी मालवीय, भगवती गहलोत, अर्चना गर्ग, प्रीति नारायणिया, अन्य संगठनों से रोहित सिंह चौहान, राज्य शिक्षक संघ से भगवतीलाल शर्मा, दिनेश शुक्ला, गजराज सिंह सिसोदिया, शिक्षक कांग्रेस जिलाध्यक्ष रोशन नीलगर, दीनदयाल शक्तावत,प्रहलाद खटोड़ आदि उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन प्रमेंद्र सिंह चौहान किया आभार सुनील परिहार ने माना।उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष श्याम मीणा ने दी।

सर्वरोग निदान शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लॉयन्स क्लब मंदसौर ने पमनानी रिसर्च एंड फाउंडेशन चिकित्सालय के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिये ग्राम जवासिया में सर्वरोग निदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सालय के संचालक डॉ. सुरेश पमनानी, सहयोगी चिकित्सक भूपेंद्र पाटीदार एवं डॉ ऋषिकांत ने अपनी सेवाएं प्रदान की। मुख्य चिकित्सक डॉ. सुरेश पमनानी ने स्वस्थ रहने के गुर बताए, साथ ही स्वच्छता की ओर प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है इस ओर उन्होंने जानकारी दी। छोटी समस्या होने पर तत्काल चिकित्सक की सहायता लेनी चाहिये, अन्यथा कई बार लापरवाही के कारण जीवनलीला समाप्त हो जाती है। इस शिविर में 110 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ रक्तचाप का भी परीक्षण किया, 40 छोटे बच्चों का भी परीक्षण किया तथा 8 रोगियों की ईसीजी कर सभी रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा प्रदान की।

लम्पी वायरस के कारण पशुओ का विशेष ध्यान रखे-श्रीमती गुर्जर

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, स्वास्थ समिति की सभापति श्रीमती दिपमाला रामेश्वर मकवाना ने बताया कि इन दिनो लम्पी वायरस बिमारी का प्रकोप फैला हुआ है, जिसकेकारणा गौवंश बीमार हो रहेहै। नपा परिषद मंदसौर नगर व जिले के समस्त गौपालको से निवेदन करती है कि वे अपने गौवंश को घर या बाडे में ही रखे उसे अनावश्यक रूप से बाहर नही छोडे।

स्थान का निरिक्षण किया- नपाध्यक्षा श्रीमती गुर्जर ने सीमएओ श्रीमती अनिता चकोटिया एवं सभापति श्रीमती मकवाना के साथ मेघदूत नगर स्थित निर्माणाधीन ऑडीटोरियम को देखा तथा बिमार गौवंश जो लम्पी वायरस की बिमारी से पीडित है वहा उनके रखने की व्यवस्था देखी।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए श्रम विभाग की पहल...

मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला का सम्पन्न

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठा रही है। इस दिशा में परिवहन वाहनों जैसे बस, ट्रक, टैक्सी आदि का संचालन करने वाले ड्रायवरों तथा अन्य स्टाफ जैसे कंडक्टर और क्लीनर के कार्य के घंटे के संबंध में प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की पहल की जा रही है।इसी सिलसिले में मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला शुक्रवार को श्रमायुक्त कार्यालय, इंदौर में सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में श्रमायुक्त श्रीमती रजनी सिंह ने मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कार्यों में संलग्न ड्राइवरों और अन्य स्टाफ के कार्य के घंटों, विश्राम अवधि और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए प्रतिदिन 8 घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे कार्य की अवधि निर्धारित है। इन प्रावधानों का गंभीरता से पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रायवरों और स्टाफ के लगातार लंबी अवधि तक कार्य करने और विश्राम का समय न मिलने से थकान और तनाव की स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। श्रमायुक्त ने वाहनचालकों के समय-समय पर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषकर नेत्र परीक्षण, सुनिश्चित करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से, साथ ही जागरूकता और प्रचार-प्रसार के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सकता है। इसके लिए ड्रायवरों के कार्य समय और विश्राम अवधि की निगरानी करने तथा अन्य सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने हेतु मोटर वाहनों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस प्रणाली जैसे तकनीकी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्यशाला में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (AICTSL) के अधिकारी श्री अभिनव चौहान ने भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि उनके संस्थान में संभावित वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ड्रायवर और पैसेंजर मैनेजमेंट सिस्टम का भविष्य में उपयोग किया जाएगा। इस संबंध में कार्यशाला में एक प्रस्तुति भी दी गई, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में मदद मिलेगी। कार्यशाला में ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अधिनियम के परिपालन के लिए सकारात्मक सुझाव प्रस्तुत किए और मोटर यातायात श्रमिक अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। कार्यशाला में श्रम विभाग से श्री प्रभात दुबे, श्री आशीष पालीवाल, जिला परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा, अटल इंदौर ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड (AICTSL) के अधिकारी श्री अभिनव चौहान, प्राइम रूट बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गोविंद शर्मा, इंदौर ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के श्री सी. एल. मुकाती एवं अन्य ट्रांसपोर्टर्स उपस्थित थे।

शिवना नदी को साफ व स्वच्छ रखना हम सब की जिम्मेदारी है इसमें कचरा व गंदगी ना डालें-विधायक

शिवना शुद्धिकरण के 53 वें दिन श्रमदानियों ने नदी किनारे झाड़ियां साफ कर 3 ट्राली गंदगी हटाई

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर चल रहे प्रति रविवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान के 53 वें दिन भी जारी रहा। सुबह 7:00 से 9:00 बजे के बीच रोजाना दो घंटा चलने वाले श्रमदान में सुबह से ही श्रमदानी शिवना नदी किनारे पहुंचे और नदी के किनारे बारिश के मौसम में उग आई गाजर घास व झाडियां साफ करी। साथ ही नदी से प्लास्टिक की थैलियां व घाट से 3 ट्राली गंदगी श्रमदानी ने हटाई गई।

श्रमदान के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि हम सबका व हर मंदसौर वासियों दायित्व है कि शिवना नदी साफ, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रहे इसके लिए नदी में कोई भी कचरा व गंदगी ना डालें। श्री जैन ने सभी मंदसौर वासीयो से आह्वान किया कि सभी नियत स्थान पर ही कचरा व गंदगी डालें व नदी को साफ, स्वच्छ रखें। श्री जैन ने कहा कि यह श्रमदान का कार्य हर रविवार को निरंतर जारी रहेगा। शिवना शुद्धिकरण के 53 वें दिन रविवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी महेश दुबे, रामचन्द्र मालवीय पूर्व टीआई, राकेश जैन पिंटू, विजय आनंद, रामनारायण मालवीय पूर्व सैनिक, रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, नमन पालीवाल, भंवरलाल प्रजापत, अभिषेक तिवारी, मोहित वर्मा, अजय वर्मा, विशाल वर्मा, देवेश शर्मा, गांव अमलावद से कैलाश कुमावत, इंद्रेश कुमावत भगत, महिपाल सिंह परिहार, आकोदडा गांव से मुकेश यादव, राकोदा गांव से मूलचंद पाटीदार, महिला नेत्रीयो मे इष्ट भाचावत, सोनाली जैन, अनिता भदोरिया, प्रमिला पंवार, वर्षा धोसरिया, योगिता बैरागी, मीना चौहान, कौशल्या त्रिवेदी, कांग्रेसजन मे सर्वश्री तरुण खिंची, विकास दशोरा, रामनारायण लाड, दिलीप देवडा, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, संजय नाहर, विश्वास दुबे, योगेश जोशी, अजय सोनी, सादिक गौरी, रमेश ब्रिजवानी, महेश गुप्ता, शिवशंकर सोलंकी, महेंद्रपूरी गोस्वामी, राकेश सेन, आमिन खान, दुर्गेश चंदेल, राजेश चौधरी, गणपत कुमावत, नितनेस बसेर, राजेश खींची, गोपाल बंजारा, राजाभाई, मनोहर रत्नावत, अशोक राव, अकरम खान, ऋषिराज लाड, विदित मालवीय उपस्थित थे।

भोलियावास में 15 दिन से बंद पड़ी है स्ट्रीट लाइटें, अंधेरे से ग्रामीण परेशान

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम भोलियावास में बीते 15 दिनों से सभी स्ट्रीट लाइटे बंद पडी हुई है, जिससे ग्रामीणों को इस बारिश के मौसम में हर रात्रि भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। बताया गया है कि इस समस्या की जानकारी पीडित ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत बरूखेडा के जिम्मेदारों को दी जा चुकी है, लेकिन फिर भी कोई भी इस समस्या का समाधान करना उचित नहीं समझ रहा है। गांव के जागरूक रहवासी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पन्नालाल धाकड ने बताया कि नीमच शहर की सीमा से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित इस गांव की स्थानीय प्रशासन द्वारा घोर अनदेखी की जा रही है। गांव में पहुंचने वाला मुख्य मार्ग विगत कई वर्षों से पक्की सडक बनने का इंतजार कर रहा है। पूरा मार्ग कच्चा होने के कारण इन दिनों थोडी बहुत बारिश होने पर ही पूरा रास्ता भयंकर कीचड से सराबोर हो रहा है। ऐसे में रात्रि के समय बंद पडी स्ट्रीट लाइटे ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। मुख्य मार्ग से लेकर गांव की विभिन्न गली- मोहल्लो एवं कच्चे रास्ते पर लगी स्ट्रीट लाइटें किसी कारणवश कई दिनों से बंद पडी हुई है। जिसे दुरुस्त करने के लिए ना तो ग्राम पंचायत ने कोई ध्यान दिया है और नाहीं जिला प्रशासन इस ओर झांकना उचित समझा रहा है। गांव में शासकीय विद्यालय एवं शासकीय कन्या छात्रावास भवन के पीछे विद्युत केबल काफी नीचे झूल रही है, जो इस बारिश के मौसम में कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। श्री धाकड ने कहां की भले ही यह गांव शहर की सीमा से सटा हुआ है लेकिन जिला प्रशासन और तमाम जनप्रतिनिधि यहां अब तक ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। एक और जहां प्रदेश और केंद्र में काबीज भाजपा सरकार प्रत्येक जिले के दुरदराज क्षेत्र में स्थित मजरा- टोला को पक्की सडक से जोडने एवं वहां तमाम सुविधा मुहैया कराने की बात कर रही है, वहीं ऐसे में शहर के नजदीक स्थित इस गांव की हालत इतनी खराब होना सरकार के तमाम दावों की पोल खोल रहा है। भोलियावास मे विभिन्न समस्याओं के बीच निवासरत परिवार नारकीय जीवन जीने को मजबूर है, और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी सभी कुछ जानकार भी अंजान बने बैठे हैं।

126 यूनिट रक्तदान के साथ शिविर सम्पन्न

मनासा, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। रक्तदाता क्लब मनासा की 12 वी वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर में 126 यूनिट रक्तदान हुआ, सुबह 10 बजे शुरू हुए केम्प में जिस तरह से युवाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

रक्तदाता क्लब के सदस्य राकेश खिंची ने बताया कि 12 वर्ष पहले कुछ साथियों के साथ मिलकर एक नन्हे से पौधे के स्वरूप में इस क्लब की शुरवात की थी, जो कि अब वट व्रक्ष बन चुका है, मनासा के अलावा भी आसपास के इलाकों में हम कैम्प के माध्यम से शिविर का आयोजन करते रहते है। जरूरत पड़ने पर उदयपुर में भी क्लब के माध्यम से अनेकों बार मरीजों की मदद करने का अवसर प्राप्त हुआ है, चुकि नीमच जिले में तकरीबन 80 के करीब थैलेसीमिया के मरीज है जिन्हें महीने में 1-2 बार तक रक्त चढ़ाना पड़ता है इसलिए इस तरह के शिविर का लगना अत्यंत आवश्यक है, ताकि जरूरतमंदों की मदद की जा सके। श्री मति विजयाराजे सिंधिया जिला चिकित्सालय ब्लड सेंटर के सत्येंद्र सिंह राठौड़ सहित रक्तदाता क्लब के अश्विन सोनी , प्रशांत शर्मा , सुदर्शन चोखडा , यशवंत राठौर , मनीष गुजराती , रवि उपाध्याय, दीपक आगार , पलाश फरक्या , पंकज बैरागी, कार्तिक गुजराती, आयुष विजयवर्गीय उपस्थित थे।

माता-पिता की स्मृति में किया पौधारोपण, शैक्षणिक सामग्री वितरीत

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शा.प्रा. विद्यालय डिगांवमाली मे वृक्षारोपण किया गया। प्रधानाध्यापक श्री मनीष पारिख द्वारा माता पिता की स्मृति मे दो पौधे अशोक तथा चमेली लगाए गए। पुर्व मे भी 25 पौधे ट्र गार्ड सहित लगाए गये। जो अब वृक्ष का रूप ले चुके हैं। शाला बाल केबिनेट के प्रधानमंत्री मनीष मालवीय, उपप्रधानमंत्री रितिका दमामी, पर्यावरण मंत्री हिमांशु मालवीय तथा निखिल पारदी सहित 12 पदो पर मनोनीत पदाधिकारीयो ने प्रतिदिन पौधो को जल देने तथा संरक्षण करने का बेड़ा उठाने का संकल्प लिया है। साथ ही साफ - सफाई स्वच्छता हेतु एक एक साबुन लाकर शाला मे देने का संकल्प लिया।

बाल्टी मग्गा तथा छोटी कुदाली लाकर शाला मे देने का संकल्प प्रधानमंत्री मनीष मालवीय ने लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा 2100/- रुपये की शैक्षणिक सामग्री बालपोथी, इंग्लिश रीडर, स्क्रैच पेन, पेंसिल रबर तथा पेन शोपनर देकर सभी छात्र-छात्राओं का मनोबल बढाया। श्री पारिख ने कहा कि स्वच्छता तथा पर्यावरण सहित देश सेवा के भाव जागृत कर राष्ट्रप्रथम की भावनाओं पर बल दिया। भारतीय सेना के समान ही विद्यालय को युनिफार्म है। अनुशासित नियमित संयमित जीवन सदैव अनुकरणीय है। आंगनवाडी क्रेंद्रो तथा छात्र- छात्राओ की घोषणा करते हुए श्री पारिख ने कहा कि प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी पिताजी स्व.श्री मोहनलालजी पारिख संचालक पारख सायकल मंदसौर की स्मृति मे कक्षा पाँचवी मे सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को सायकिल तथा तीसरी चोथी मे डिजीटल घड़ी तथा पहली दुसरी मे बस्ते दिए जाएंगे। माताजी स्व: श्रीमति भारती पारिख की स्मृति मे आंगनवाडी केंद्रो पर 2-2 छोटी कुर्सिया, साईकिल तथा खेल सामग्री भेट की जाएगी। तथा वार्षिक स्नेह भोज आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर श्रीमती अनिता डोसी तथा हर्षिता पालीवाल तथा विनीता जैन मौजूद थे। यह जानकारी नारद शर्मा ने द्वारा दी गई।

गो-भैंसवंशीय पशुओं में नि:शुल्क खुरपका-मुँहपका टीकाकरण 31 तक होगा

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उप सचांलक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (छअऊझ-ऋच्चऊ) योजना के अंतर्गत जिले के समस्त गो-भैंसवंशीय पशुओं में खुरपका-मुँहपका टीकाकरण कार्यक्रम 31 जुलाई 2025 तक किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत 4 माह से अधिक आयु के समस्त गो-भैंसवंशीय पशुओं में नि:शुल्क खुरपका-मुँहपका टीकाकरण किया जाएगा। खुरपका-मुँहपका बीमारी होने पर पशुओं के मुंह में छाले एवं पेरों में घाव हो जाते हैं। दुधारू पशुओं में दूध देने की क्षमता कम हो जाती है। जिससे पशु पलकों को आर्थिक नुकसान होता है। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु भी हो सकती है। संक्रमांक बीमारी एक पशु में होने पर पूरे ग्राम के पशुओं को प्रभावित करती है। बीमारी से बचाव का एकमात्र उपाय पशुओं का टीकाकरण ही है। पशुपालक अपने ग्राम के निकटस्थ पशु चिकित्सा संस्थान से संपर्क कर अपने संपूर्ण ग्राम में टीकाकरण करवाएं।

गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति मप्र की बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। समाज को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने एवं मुख्य धारा से जोड़ने के साथ गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति मध्य प्रदेश की बैठक समाज मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह बात गंधर्व युवा सामाजिक सेवा समिति मध्यप्रदेश की बैठक में मंदसौर मे समाज के वरिष्ठएवं पूर्व शिक्षक केंद्रीय विद्यालय मांगीलाल असवार अरनोद ने कहीं। उन्होंने कहा कि समाज में जहां भी शिक्षा की जरूरत लगेगी, युवाओं के साथ तन मन धन से साथ रहूंगा। बैठक में रमेश बामणिया नेतावली ने कहा की युवाओं को सामाजिक क्षेत्र मे आगे आने की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता हरिओम गंधर्व(राजाखेडी) भुनियाखेडी ने कहा कि शासकीय योजनाओं के लाभ समाज के हर व्यक्ति को मिले इसके लिए प्रयास करना है। साथ ही समाज का शीघ्र ही युवक युवती परिचय सम्मेलन करना है। मध्यप्रदेश में भी राजस्थान, गुजरात की तरह जाती प्रमाण बने।

राहुल गंधर्व नाटाराम ने कहा की संगीत की शिक्षा में हम अव्वल है यह बात सही है।,लेकिन इसके साथ ही अन्य रोजगार से भी युवाओं को जोड़ना होगा। जिससे हमारे युवा व्यवसायिक गतिविधि मे आगे आये। भारत खिची भरमपुरा ने कहा कि प्रत्येक सामाजिक कार्यक्रमो को युवाओं को मिलकर सफल करना है। एक दूसरे की मदद करना है। जितेंद्र गंधर्व हाडी पिपलिया ने कहा कि महिला शिक्षा पर भी हमें अधिक जोर देना होगा। समिति का पंजीयन के साथ समाज हित में खाता खोलना है। उसमें दान राशि एकत्रित कर सामाजिक कार्य में लगाना होगी। महेंद्र बामनिया मंदसौर ने कहा कि समाज में शिक्षा को लेकर सभी को आगे आना होगा। हर वर्ग आज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है, हमारे समाज शिक्षा के क्षेत्र में इतनी उन्नति नहीं कर पाए हैं। हम सभी को मिलकर इसको लेकर आगे आना होगा। बालकृष्ण गंधर्व भरमपुरा ने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को व्यापार से जोड़कर बैंकिंग सेक्टर में भी काम करने की आवश्यकता है। अनूप गंधर्व राजपुरा ने कहा कि समाज मे शिक्षा के साथ ही अनुशासन भी अनिवार्य है। सफलता तभी मिलेगी जब हम एकजुट होकर सकारात्मक कार्य को परिणाम तक पहुंचाएंगे। सुमित बामनिया मंदसौर ने कहा कि समाज में रचनात्मक कार्यों की जरूरत है। जिससे समाज के युवा अधिक से अधिक जुड़ पाए। अभिषेक असवार भुनियाखेडी ने कहा की समाज के शिक्षित युवाओं को करियर के बारे मे जानकरी के लिए प्लेटफॉर्म होना आवश्यक है। चंटू गंधर्व ने कहा की समाज हित में सभी को एक मंच पर आना होगा। संचालन हरिओम गंधर्व ने किया। आभार जितेंद्र गंधर्व हाडी पिपलिया ने माना।

स्वाद के त्याग बिना तपस्या सार्थक नहीं होती है-आचार्य प्रशमेशप्रभ

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आहार मोह के त्याग बिना आत्मा के कल्याण नहीं होता है। स्वाद के मोह को मिटाने के लिए तपस्या होती है। स्वाद के त्याग बिना तपस्या सार्थक नहीं होती है। तपस्या प्रतिकूलता में भी अनुकूलता का संदेश सिखाती है। यह बात आचार्य प्रशमेश प्रभ ने कही। वे श्री जैन श्वेतांबर भीड भंजन मंदिर मंडल ट्रस्ट पुस्तक बाजार नीमच के तत्वाधान में जैन भवन मेंआयोजित चातुर्मास अमृत प्रवचन श्रृंखला की धर्म सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तपस्या के मध्य हमें जैसा आहार मिले हमें उसी में संतुष्ट रहना चाहिए। अलग से किसी भी प्रकार का आहार के प्रति मोह नहीं रखना चाहिए तभी हमारी तपस्या सफल हो सकती है। जीवन में यदि नम्रता आएगी तो ही हमें परमात्मा मिलेंगे। मंदिर दर्शन को जाए तो पंखे का मोह छोड़ देना चाहिए। ज्ञान और समझ में अंतर होता है।हित विवेक का नहीं तो वह अज्ञानी होता है। आयम्बिल तप सबसे छोटा होता है। रात्रि भोजन नरक का द्वार होता है। इसलिए जीवन में रात्रि भोजन से सदैव बचने का प्रयास करना चाहिए।आचार्य भगवंत श्री विजय प्रशमेश प्रभ सूरीश्वरजी मसा एवं मुनिराज श्री नीति प्रभ विजयजी मसा आदि ठाणा 2 एवं साध्वी जी श्री श्रुतवर्धना श्रीजी मसा एवं साध्वी जी श्री विरति प्रिया श्रीजी मसा आदि ठाणा 9 का का चातुर्मास में सानिध्य प्राप्त हो रहा है।आचार्य श्री के प्रवचन जैन भवन में सुबह 9 बजे होंगे ,। इस अवसर पर वरिष्ठश्री संघ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।।श्री भीड़ भंजन श्रीसंघ में चातुर्मास के लिए पधारे आचार्य भगवंत नुतन आराधना भवन पर विराजित पूज्य आचार्य भगवंत एवं साध्वी जी मसा के प्रवचन में समय पर पधारकर दर्शन वंदन का धर्म पुण्य लाभ लेवें।

विजयवर्गीय समाज द्वारा पौधारोपण किया

मंदसौर, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अ. भा. विजयवर्गीय वैश्य महासभा द्वारा आज दिनांक 13.07.2025 रविवार को पर्यावरण दिवस घोषित किया गया ,इस अवसर पर संपूर्ण भारत में समस्त स्थानीय सभा के माध्यम से वृक्षारोपण संपन्न हुआ। महासभा द्वारा जारी अपील अनुसार विजयवर्गीय समाज मंदसौर द्वारा विभिन्न प्रजातियों के 11 पौधों का रोपण श्री हरीश पुत्र स्व.श्री प्रेमचंद्र जी विजयवर्गीय के फार्म हाउस पर किया गया ।

इस अवसर पर अ.भा.विजयवर्गीय महासभा के कोषाध्यक्ष श्री भगवान दास विजयवर्गीय ने कहा कि पौधे लगाना आसान है लेकिन उनको नन्हे मुन्ने बच्चों की तरह पालना भी पड़ता है तभी वृक्ष की सौगात प्राप्त होती है। स्थानीय अध्यक्ष श्री सुनील जी की उपस्थिति में समाज बंधुओ ने पौधों की सुरक्षा करने का संकल्प लिया। उपाध्यक्ष श्री के.एल. विजयवर्गीय (रेलमगरा वाले) युवा संयोजक श्री प्रवेश ,एवं सर्व श्री बृजेश जी, दीपक जी, नरेंद्र जी ,दाऊलाल जी, ओमप्रकाश जी, राजेश जी, मनीष जी, श्यामसुंदर जी नितिन जी(ब्यावरा वाले) सर्व श्रीमती सरलाजी, शैल जी, करुणा जी, संगीता जी, रानू जी, विशाखा जी, आजाद देवी, सरिता जी कृतिका जी ललिता जी एवं बेबी ह्दया व हास्या विशेष रूप से उपस्थित थे। हमें गर्व है कि विजयवर्गीय महासभा द्वारा वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम को पर्यावरण दिवस के रूप में अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित कर पर्यावरण के संरक्षण हेतु प्रत्येक विजयवर्गीय को इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया है। युवा संयोजक श्री प्रवेश विजयवर्गीय द्वारा आभार प्रकट किया गया।

शिव महापुराण कथा भगवान शिव का वांग्मय स्वरूप है-गुरु रुद्रदेव त्रिपाठी

27 दिवसीय शिव महापुराण एवं पार्थिव शिवलिंग पूजन अभिषेक एवं रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम प्रवाहित

नीमच, 13 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिव महापुराण शिव महापुराण कथा श्रवण करने से जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन होते हैं। जीवन की हर समस्या का समाधान शिव पुराण श्रवण करने से होता है। शिव महापुराण के श्रवण करने से कष्टका संहार होता है।शिव महापुराण की कथा भगवान शिव का वांग्मय स्वरूप है। यह बात गुरुदेव रुद्रदेव त्रिपाठी (जावद वाले) ने कहीं।वे श्री हरि सत्संग मंडल एवं भक्तगण के तत्वाधान में गोमाबाई रोड स्थित लायन्स डेन सभागार में 11 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित 27 दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा एवं पर्वतीय शिवलिंग पूजन अभिषेक एवं रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि धरती पर कण-कण में कंकर कंकर शंकर है। नारायण नाग सर्प बनकर शंकर भगवान के गले में आए हैं ताकि उनके पैर शंकर भगवान को नहीं लगे, भगवान नारायण के मंदिर नगर के मध्य स्थापित होते हैं। शंकर भगवान की दृष्टि मात्र से ही कल्याण हो सकता है।

मंदिर के गर्भ ग्रह में शुद्ध और पवित्र होने के बाद ही दर्शन और पूजा करने जा सकते हैं। मंदिर की पवित्रता बनाए रखना आवश्यक है। शंकर भगवान संहार में भी संदेश देते हैं। शंकर भगवान शमशान के वासी है। श्मशान की चीता की भस्म शंकर भगवान लगाते हैं। शंकर भगवान के भक्त को 4 व्यक्ति उठाकर लाते हैं। शंकर भगवान काशी में मुर्दे को भी मुक्ति प्रदान कर देते हैं। भगवान के स्पर्श से ही जीव का कल्याण हो जाता है। शिव महापुराण कथा श्रवण करने के विभिन्न विधान होते हैं। कथा श्रवण करते समय मस्तक पर पगड़ी नहीं होनी चाहिए। शिव महापुराण भगवान का वांग्मय स्वरूप है। बिना प्रणाम किये कथा श्रवण नहीं करना चाहिए। कथा में विध्न उत्पन्न करने वाले सूअर की योनि में जन्म लेते हैं। धर्म का शुभारंभ गंगा जमुना सरस्वती के त्रिवेणी संगम प्रयागराज से हुआ है। गंगा को अध्यात्म में ज्ञान, यमुना में भक्ति हिलोरें लेती है, सरस्वती को अध्यात्म में बुद्धि की संज्ञा दी गई है। ज्ञान बुद्धि और भक्ति का संगम होता है वहां त्रिवेणी प्रयागराज होता है। प्राचीन महापुराण शिव पुराण में 1लाख श्लोक समाहित है। इसमें मात्र एकादश, कैलाश, रुद्रिय शताब्दी रुद्र सहस्त्र, कोटिरुद्र,सहस्त्र कोठी, वायवी संहिता व धर्म संहिता सहित 12 संहिता होती है। 24हजार श्लोक विद्यमान है। गौ माता गोमूत्र पवित्र होता है। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं होता है। ब्रह्मा का मस्तक बद्रीनाथ में गिरा इसलिए ब्रह्म कपाल कहते हैं। पितृ दोष का निवारण वहां आज भी होता है। ब्राह्मण हवन करें अग्नि देव गुरु शिष्य पति पत्नी के मध्य में नहीं निकलना चाहिए। यदि निकलते हैं तो हमारे पुण्य नष्ट हो जाते हैं। शंकर भगवान के आशीर्वाद से ही नारायण ने 24 अवतार लिए हैं।पुरे विश्व में ब्रह्मा जी का एक ही मंदिर पुष्कर तीर्थ में पुजन होता है। पांचवा कर्म मोक्ष शंकर भगवान के पास ही रहता है जो उनकी भक्ति से प्राप्त होता है। ओम शब्द का जाप करने से अनेक रोग ठीक हो जाते हैं। वेद पुराण और शास्त्रों में लिखे उपदेशों का जीवन में आत्मसात करें तो आत्मा का कल्याण हो जाता है। कथा में विभिन्न भजन प्रस्तुत किए गए जिस पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किया।शिव महापुराण पोथी पूजन आरती में बीएल धनोतिया, मुकेश पोरवाल ,डॉक्टर दीपक सिंहल, दिलिप दुबे, शांतिलाल गुप्ता, प्रकाश मंडवारिया, दिनेश लढा, जगदीश माहेश्वरी, विजय जोशी, योगेश ओझा, कमल उपाध्याय, गोपाल व्यास ,एनके सोनार , रामनिवास कदवा, मधु शर्मा, मीना धनोतिया, चंद्रकांता दानगढ ,जगदीश व्यास, अरविंद व्यास, सत्यनारायण माहेश्वरी, मातृशक्ति पुरुष आदि बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में सुबह 8 से 8:30 बजे तक वेद पाठ, 9 से 10 बजे तक हवन ,दोपहर 1 से 3 बजे शिव पुराण कथा, 3 से 4:30 बजे तक 27हजार रुद्राक्ष शिवलिंग पूजन अभिषेक, सोमवार नागपंचमी, प्रदोष, हरियाली अमावस्या पर पार्थिव पूजन अभिषेक,सवालाख महामृत्युंजय मंत्र जाप, काल सर्प पूजन हवन शांति सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in